मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 210, मुंबई, गुरुवार, 29 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

वसई की इंजीनियरिंग कंपनी में लगी भीषण आग

3 लोगों की मौत, 9 घायल

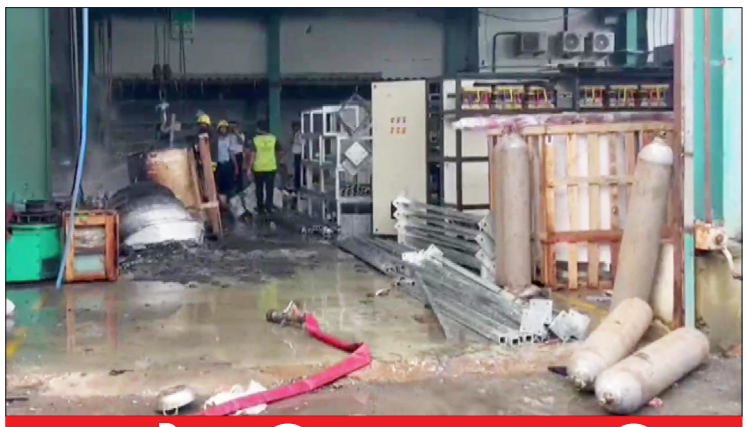

40 लोग बिलकुल सुरक्षित

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सटे वसई इलाके के कॉश पावर इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी के बॉयलर में हुए विस्फोट से भीषण आग लगी। इस आग में 3 मजदूरों की दुःखद मौत हो गई है। 7 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ग्राम पंचायत के क्षेत्र में गैरकानूनी तरीके से चल रहा था उद्योग

चंद्रापाड़ा ग्रामपंचायत वाकी पाड़ा पाझर तलाब के करीब यह कंपनी है। एक साल पहले ही कंपनी शुरू की गई है। कंपनी में सुरक्षा से जुड़ी कोई उपाय योजना नहीं थी। सबसे बड़ी बात यह कि ग्राम पंचायत की जमीन पर औद्योगिक इकाई काम कर रही थी। यानी अनधिकृत तरीके से कंपनी में उत्पादन शुरू था।

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

अल्पसंख्यक समुदाय के स्टूडेंट्स का वजीफा हुआ दोगुना

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को उच्च शिक्षा हासिल कर रहे अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति दोगुना बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी। यहां राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। वर्ष 2011 में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों लिए वजीफे की राशि 25 हजार रुपये तय की गई थी। वर्ष 2018 में भी वजीफा राशि समान रही, लेकिन लाभार्थी विद्यार्थियों के माता-पिता की आय को दो लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दिया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एनएसए डोभाल के मिलिट्री एडवाइजर बने नए सीडीएस

आतंक विरोधी अभियानों में लंबा अनुभव

नई दिल्ली। देश को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ मिल गया है। भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) को अगले सीडीएस यानी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में नियुक्त किया है। रक्षा मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अनिल चौहान भारत सरकार के सैन्य मामलों से जुड़े विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कई अहम कमान संभाल चुके हैं: लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान का जन्म उत्तराखंड में 18 मई 1961 को हुआ था। वह नेशनल डिफेंस अकेडमी, खडकवासला और इंडियन मिलिट्री अकेडमी, देहरादून के छात्र रहे हैं। वर्ष 1981 में भारतीय सेना की 11 गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए थे। मेजर जनरल के रैंक के अधिकारी के तौर पर अनिल चौहान ने उत्तरी कमान में महत्वपूर्ण बारामुला सेक्टर में एक इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली थी। बाद में लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने उत्तर पूर्व में एक कोर की कमान संभाली। इसके बाद वह सितंबर 2019 से पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बने और फिर मई 2021 में इस अहम पद से रिटायर हुए।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मुंबई रेलवे स्टेशन का होगा पुनर्विकास

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। भारतीय रेलवे की ओर से देशभर के कई स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। ऐसे में अब ये रेलवे स्टेशन किसी मॉल जैसे नजर आएंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मुंबई रेल स्टेशन के पुनर्विकास के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

माथेरान हिल स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर ई-रिक्शा चलाने की अनुमति मिली

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल माथेरान हिल स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर ई-रिक्शा चलाने की अनुमति दी गई। इस क्षेत्र में वर्तमान में किसी भी प्रकार का मोटर वाहन चलाने की अनुमति नहीं है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने हिल स्टेशन पर ई रिक्शा चलाने का 'परीक्षण' करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, मुंबई महानगर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (एमएमआरटीए) द्वारा विशेष मामले में प्रायोगिक तौर परीक्षण करने के वास्ते एक बार की अनुमति दी गई। बैज धारक ऑटो चालक इन सात रिक्शा को चलाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सुनवाई का प्रसारण

आज से लगभग ढाई दशक पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इंसाफ होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसे होते हुए दिखना भी चाहिए। तभी से इसे न्याय की पूर्णता के संदर्भ में एक सूत्र-वाक्य की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है, पर मंगलवार को सांविधानिक मामलों की सुनवाई की ह्यलाइव स्ट्रीमिंगह्न कर सुप्रीम कोर्ट ने दशकों पुरानी एक मांग पूरी कर दी। फिलहाल सांविधानिक मामलों के प्रसारण की व्यवस्था की गई है, जिसे कोई भी देख सकता है, लेकिन यकीनन यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास का एक प्रस्थान बिंदु है। दरअसल, वर्तमान प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने ही यह फैसला दिया था कि पारदर्शिता के लिहाज से ऐसा करना बिल्कुल वाजिब कदम है। जाहिर सी बात है, जो व्यवस्था सर्वाधिक पारदर्शी होती है, उसमें नागरिकों की आस्था का स्तर सबसे ऊंचा होता है। बदलते दौर में तकनीक के इस्तेमाल से तंत्र को चाक-चौबंद करने की किसी भी कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए। सांविधानिक संकट की स्थिति में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कई विधायी कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग के आदेश को इसी रूप में देखा जाता रहा है और पीठासीन अधिकारियों पर इसका असर भी दिखा था। ऐसे में, भविष्य में जब इस फैसले का विस्तार होगा, और वह निचली अदालतों तक पहुंचेगा, तब जरूर इस पहल से बड़ा फर्क पडेगा। यह मानने में कोई गुरेज नहीं कि हमारे यहां मुकदमों के बढ़ते बोझ की एक बड़ी वजह बेवजह तारीख-पर-तारीख की प्रवृत्ति है और यह प्रवृत्ति दीवानी कानून में इस बदलाव के बाद भी दूर नहीं हुई कि किसी मुकदमे में तीन से अधिक स्थगन नहीं होना चाहिए। निस्संदेह, जजों और संसाधनों की कमी भी एक बड़ी बाधा है, लेकिन न्यायिक शिथिलता की शिकायत आम बात है। उम्मीद है, रिकॉर्डिंग और प्रसारण के विस्तार से इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लग सकेगा। सन् 1989 में जब लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाहियों की रिकॉर्डिंग के बाद सीधा प्रसारण शुरू हुआ, तभी से यह मांग की जा रही थी कि अदालती कार्यवाहियों का भी सीधा प्रसारण होना चाहिए। हालांकि, इसका एक और पहलू है। संसद की कार्यवाहियों के सीधा प्रसारण का संसदीय कार्यशैली या शासन के रंग-ढंग पर कितना सकारात्मक असर पड़ा, यह शोध का विषय है, अलबत्ता आम धारणा यही बनी कि हमारे माननीयों ने जनता की नजरों में आने के लिए न सिर्फ संसदीय मयार्दा का सायास उल्लंघन किया, बल्कि इस तरह लक्षित मतदाता वर्ग में अपनी मजबूत पहचान बनाने में भी वे सफल हो गए। बहरहाल, भारतीय न्यायपालिका अपने अनुशासन और प्रतिबद्धता के लिए दुनिया भर में सराही जाती रही है, इन प्रसारणों से उसकी साख और बढ़ेगी। हां! शुरूआत में एक समस्या अवश्य आएगी कि न्यायिक फैसलों से इतर न्यायमूर्तियों की टिप्पणियों का भी खूब संज्ञान लिया जाएगा। ऐसे में, उन्हें अतिरिक्त सतर्क रहना होगा। हाल की कुछ टिप्पणियों को लेकर कतिपय न्यायमूर्तियों के प्रति सोशल मीडिया में जिस तरह की मुहिम दिखी थी, उसकी बाढ़ भी आ सकती है। ऐसे में, सरकार और नियामक तंत्र की यह जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों की लोकतांत्रिक आजादी को बाधित किए बिना ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिसमें किसी जज को दुष्प्रेरित मुहिम का शिकार न बनाया जा सके। इंसाफ का तकाजा यही है कि इंसाफ करने वालों के साथ भी कोई नाइंसाफी न हो।

गहलोत-पायलट झमेले के बाद कांग्रेस संकट में, पार्टी चन्नी कांग्रेस बनने की ओर!

सोनिया गांधी महाबलंडर करने वाली हैं। उन्हीं के हाथों से राष्ट्रीय कांग्रेस पंजाब जैसी दुर्दशा वाली चन्नी कांग्रेस बनने वाली है। सोनिया, प्रियंका व राहुल गांधी आज-कल में चन्नी जैसे किसी नेता को पार्टी अध्यक्ष बनाने का फैसला लेंगे। मतलब मीरा कुमार, मुकुल वासनिक, पवन बंसल, केसी वेणुगोपाल जैसे डमी नेता से अध्यक्ष पद का नामांकन पत्र भरवाएंगें। यह भी संभव है कि कांग्रेस के संगठन चुनाव टलें। जानकार सूत्रों के अनुसार कल सोनिया गांधी ने कमलनाथ को अध्यक्ष बनने के लिए राजी करने की कोशिश की। वे नहीं माने। उन्हें मनाने की कोशिश इसलिए क्योंकि महासचिव केसी वेणुगोपाल, अजय माकन और खड़गे ने सोनिया गांधी को राजस्थान के विधायकों और अशोक गहलोत को अनुशासनहीन करार देने की रिपोर्ट दे दी है। सचिन पायलट और प्रियंका व राहुल गांधी और उनके नौजवान सलाहकारों ने सोनिया गांधी के कान भर दिए है कि पायलट गद्दार नहीं हैं, बल्कि गहलोत और धारीवाल हैं। उनके समर्थक विधायक गद्दार हैं। तभी गहलोत की जगह नए चेहरे की तलाश है। सोनिया गांधी-प्रियंका-राहुल तीनों कांग्रेस के उस टर्निंग प्वाइंट को मिट्टी में मिला देने के मोड में हैं, जो नरेंद्र मोदी-अमित शाह के परिवारवाद के हल्ला बोल के लिए कांग्रेस को संयोग से प्राप्त हुआ। राहुल गांधी ने जिद बनाए रखी कि मैं और प्रियंका अध्यक्ष नहीं बनेंगे। जनाधार वाला पुराना खांटी कांग्रेसी अध्यक्ष बनेगा। मोदी-शाह और गुलाम नबी एंड पार्टी के हल्ला बोल ग्रुप की जुबान को चुप कराने का यह असरदार फैसला था। संगठन के रियल चुनाव करवा कर देश भर में भाजपा और बाकी पार्टियों के आगे कांग्रेस की साख और सम्मान बनवाने वाला फैसला था। राहुल गांधी की यात्रा के साथ कांग्रेस के सच्चे लोकतांत्रिक मिजाज को लोगों को गले उतारना था।

लेकिन कांग्रेस के इस टर्निंग प्वाइंट को परिवार ने एक झटके में श्मशान के दरवाजे पर पहुंचा दिया। हां, मामला श्मशान के बाहर जितना ही गंभीर हैं। कैसे? इसलिए कि सोनिया-राहुल-प्रियंका को अब अपनी गलती का ठीकरा अशोक गहलोत पर फोड़ना है। ये गहलोत को भरोसे लायक नहीं करार दे कर उन्हें अध्यक्ष पद का उम्मीदवार नहीं बनाएंगे। और जिसे बनाएंगे वह डमी होगा। जनता की निगाह में उनका गुलाम होगा। मोदी-शाह-भाजपा पूरे देश में नए जोश के साथ नैरेटिव बनवाएंगे कि देखो, गांधी परिवार ने कैसे गहलोत को डंप करके एक डमी को अध्यक्ष बनाया। और वह डमी अध्यक्ष (फिर भले मीराकुमार, मुकुल वासनिक, खडगे, पवन बंसल, वेणुगोपाल आदि में कोई भी हो) न तो गुजरात, हिमाचल, कर्नाटक और बाद के विधानसभा चुनावों में गहलोत जैसी मेहनत करता हुआ होगा और न नीतीश, शरद पवार, केसीआर, ममता, अखिलेश जैसे विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिला कर, जमीनी समझ से सन 2024 की चुनावी तैयारियां करवा सकेगा। नोट रखें मेरी इस बात को कि सन '2024 के चुनावों में कांग्रेस की वहीं हालत होगी जो चन्नी की कमान में पंजाब में हुई! क्या ऐसा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बावजूद? हां, इसलिए क्योंकि यात्रा उत्तर भारत के राज्यों में फेल होनी है।

केरल में यात्रा के असर की जो इनसाइड खबर है, और राहुल गांधी जनसंपर्क के बजाय जैसे केवल हर दिन 22 किलोमीटर चलना है, की धुन में हाईवे व गूगल मैप से कन्हैया एंड पार्टी के संग यात्रा कर रहे हैं तो उस सबसे उत्तर भारत में यात्रा अपने आप फेल होगी। (मैं इस पर विस्तार से बाद में लिखूंगा)। भाजपा और उत्तर भारत के तमाम क्षत्रप नेता तब राहुल गांधी, उनके डमी अध्यक्ष से विपक्षी तालमेल को लेकर संजीदा नहीं होंगे। यह भी तय माने कि तब कांग्रेस उत्तर भारत के आगामी विधानसभा चुनावों में लड़ सकने लायक ताकत से भी चुनाव नहीं लड़ते हुए दिखेंगी। जबकि मोदी और शाह जीवन मरण की ताकत से चुनाव लड़ेंगे। वही कांग्रेस मीरा कुमार, मुकुल वासनिक जैसे अध्यक्ष चेहरे से चुनाव लड़ेगी। तभी अपना मानना है कि अगले 24 घंटे कांग्रेस के लिए निर्णायक हैं। उस नाते चुनाव रद्द करना या टालना या राहुल व प्रियंका में कोई अध्यक्ष बने तो बात अलग है अन्यथा राहुल और प्रियंका अपने ही बनाए भंवर में सोनिया गांधी से डुबाने वाला फैसला करा रहे हैं। हां, राहुल व प्रियंका के ही सचिन पायलट के भंवर में डूबने से कांग्रेस का विकट मोड़ है। सवाल है भंवर से क्या मतलब? तो जवाब में जरा आप भी सोचें कि राहुल-प्रियंका ने क्या चाहा? और उनकी तरफ से केसी वेणुगोपाल, अजय माकन ने क्या किया? पहली बात जिस नेता को अध्यक्ष लायक भरोसेमंद, जमीनी नेता माना और अध्यक्ष पद के लिए उसका नाम सोचा उस पर अचानक अविश्वास कर डाला। सोचे राहुल-प्रियंका और उनके नौजवान सलाहकारों की इस बुद्धि पर जिन्होंने अध्यक्ष बनने से पहले ही सोनिया गांधी को क्या समझाया? पता नहीं गहलोत अध्यक्ष बनने के बाद सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने दें या नहीं। इसलिए वे अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र भरे उससे पहले ही सचिन पायलट को राजस्थान में मुख्यमंत्री बनवा लें। कह नहीं सकते कि यह जिद राहुल की थी या प्रियंका की। लेकिन जिस की भी रही हो उसके दिमाग में तनिक भी यह समझ नहीं थी कि ऐसा करके वे कांग्रेस को सांप-नेवले की पार्टी नहीं बना देंगे? मेरा मानना है कि सोनिया, प्रियंका, राहुल गांधी को सांप-नेवले की लड़ाई और उससे किसी भी संस्था, पार्टी का कैसा नुकसान होता है यह नहीं जानते है। कल्पना करें, सचिन पायलट जयपुर में मुख्यमंत्री और अशोक गहलोत एआईसीसी में राष्ट्रीय अध्यक्ष! उस दशा में क्या होगा? चौबीसों घंटे गहलोत और पायलट दोनों एक-दूसरे पर सांप-नेवले की तरह फुंफकारते हुए। लड़ते हुए, घायल होते हुए। खास कर तब जब विधायकों को आगे टिकट एआईसीसी से लेनी है और बहुसंख्यक विधायक पायलट को लेकर नफरत पाले हुए। राहुल-प्रियंका-वेणुगोपाल-माकन ने इतना भी ध्यान नहीं रखा कि पहले भी गहलोत बनाम पायलट की असली विधायक ताकत दुनिया ने देखी हुई हैं। पायलट की मैजोरिटी नहीं थी। इसलिए मेरा मानना है कि यदि पायलट को सीएम बनवाना भी था तो सोनिया गांधी दोनों को बुलाकर उनको सामने बैठा कर बात करती। बात करके, गहलोत के आगे पायलट से माफी मंगवा कर और निज आग्रह से गहलोत को कहती कि अध्यक्ष बनने के बाद आप विधायकों में रजामंदी बनवा कर उन्हें मुख्यमंत्री बनने दें। यदि यह एप्रोच होती तो मेरा मानना है कि सहज सत्ता ट्रांसफर संभव था।

मगर ठीक उलटा हुआ। सचिन पायलट ने राहुल व प्रियंका पर डोरे डाल कर मानो यह मैसेज बनाया कि गहलोत को पार्टी अध्यक्ष ही इसलिए बना रहे हैं ताकि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का रास्ता साफ हो। एक व्यक्ति दो पद पर नहीं रह सकता है तो इसके अर्थ में राहुल-प्रियंका ने आंख मूंद तय करके कहां जाओ, सचिन पायलट, राजस्थान के मुख्यमंत्री बनो। घटनाक्रम साफ बतलाता है कि राहुल के साथ सचिन पायलट ने यात्रा की। राहुल ने एक व्यक्ति, एक पद का वाक्य बोला। सचिन पायलट दिल्ली पहुंचे। जानकार विधायकों के अनुसार उन्होंने अपने खास छह विधायकों को अजय माकन से मिलवाया। प्रियंका और सोनिया से आशीर्वाद लिया। जयपुर पहुंचे और चल रही विधानसभा में जा कर पायलट ने विधायकों से जनसंपर्क किया। उन्हें बताया कि राहुलजी ने कह दिया है- एक व्यक्ति, एक पद। कहते हैं कि विधायकों और अपने ग्रुप को मोबिलाइज करते हुए पायलट ने मंत्री पद भी बांट दिए। मतलब मेरा फलां गृह मंत्री होगा आदि, आदि। इसी की वजह से मोटा मोटी कांग्रेस विधायकों में विधानसभा भवन में पायलट की मेल मुलाकात से ही खटका बन गया था कि पायलट सीएम बन कर आ रहे हैं। अब क्या होगा? वह तो हमारी सुनेगा नहीं! मेरा मानना है कि अशोक गहलोत ने विधायकों की बैठक करके उनसे विदाई लेने व दिल्ली में नामांकन पत्र भरने के समय उन्हें उस वक्त मौजूद रहने की बात कह कर गलती की। इससे पायलट ग्रुप का जोश बना। सोचा अब चूकना नहीं चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पीएफआई संगठन के विरुद्ध में कार्रवाई करते हुए ठाणे क्राइम ब्रांच ने किया चार लोगों को गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जिस तरह से देशभर मैं पीएफआई संगठन के विरुद्ध में एनआईए, एटीएस, एसटीएफ, ईडी की सरगर्मी से छापेमारी की जा रही है आपको बताते चलें देश के 9 राज्यों में अब तक एनआईए द्वारा पीएफआई के विरुद्ध में छापेमारी की गई है जिसमें दिल्ली, यूपी, एमपी तेलंगाना महाराष्ट्र पंजाब गुजरात केरल कर्नाटक इन राज्यों में छापेमारी के दौरान पीएफआई के अध्यक्ष कार्यकर्ता और पदाधिकारी समेत 280 लोगों की गिरफ्तारी का मामला सामने आया है जिसमें एनआईए द्वारा दावा किया जा रहा है की पीएफआई संगठन के तार विदेशों से जुड़े हुए हैं जिसमें हवाले के जरिए से पैसा इस संगठन को मजबूत बनाने के लिए मुहैया कराया जा रहा है और आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के पुख्ता सबूत भी एनआईए को प्राप्त हुए हैं एनआईए ने पीएफआई संगठन

अध्यक्ष अब्दुल मतीन शेखानी

दाऊद सिराज शेख

के सदस्यों के मामले में यह खुलासा किया है की पीएफआई कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा कैंप में मुस्लिम छात्रों को भड़काया जाता है और दंगा की तरफ प्रेरित किया जाता है इन तमाम मामलों को लेकर देशभर में एनआईए की कार्यवाही की गई इस कार्रवाई की गाज महाराष्ट्र में भी गिरी जहां पर पीएफआई के अध्यक्ष समेत 43 लोगो गिरफ्तारी की गई जिसमें ठाणे क्राइम ब्रांच द्वारा कार्रवाई करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें मुंब्रा (2) कल्याण (1) भिवंडी (1) गिरफ्तारी की गई जिसमें मुंब्रा शहर से पीएफआई अध्यक्ष अब्दुल मतीन शेखानी, दाऊद सिराज शेख, कल्याण से फरदीन जमील पायकर भिवंडी से आसिफ अंसारी को गिरफ्तार किया गया उसके बाद मुंब्रा शहर से पीएफआई अध्यक्ष अब्दुल मतीन शेखानी, और दाऊद सिराज शेख को मुंब्रा पुलिस द्वारा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां पर पुलिस ने अंदेशा जताया था कि ऑपरेशन ऑक्टोपस एक के दौरान गिरफ्तार किए गए पीएफआई आरोपियों के समर्थन में बड़ा आंदोलन पीएफआई संगठन द्वारा करने की कोशिश की जा रही है उसके चलते मुंब्रा शहर में प्रदर्शन कर सड़क पर चक्का जाम करने की तैयारी पीएफआई द्वारा की जा रही थी यह मामले को देखते हुए दोनों लोगों को मुंब्रा शहर से गिरफ्तार किया गया जहां पर दोनों तरफ की वकीलों की दलील सुनने के बाद बचाव पक्ष के वकील अब्दुल जब्बार ने बताया न्यायालय ने पीएफआई अध्यक्ष अब्दुल मतीन शेखानी, और दाऊद सिराज शेख द्वारा न्यायालय में लिखित रूप से आश्वासन दिया गया है कि भविष्य में वह किसी प्रकार की ऐसी कोई भी वारदात को अंजाम नहीं देंगे जिसके चलते कानून व्यवस्था बिगड़ने के मामले सामने आए यह लिखित पत्र न्यायालय में देने के बाद न्यायालय ने पीएफआई के दोनों लोगों को जाने की इजाजत दी।

अग्निवीर परीक्षा देने मुंब्रा शहर में आए छात्रों की सुविधाओं को लेकर, एमआईएम ट्रेजर जावेद सिद्दीकी द्वारा खोली गई मनपा प्रशासन की पोल

संवाददाता/समद खान

'37 लाख रुपए की निधि पारित होने के बाद भी छात्रों को कोई सुविधाएं नहीं प्रदान की गई'

मुंब्रा। महाराष्ट्र राज्य की धूलिया जिलों से भारत सेना में भर्ती होने के लिए अग्निवीर परीक्षा देने के लिए छात्रों को मुंब्रा शहर के एमएम वैली स्थित मौलाना अबुल कलाम स्टेडियम में व्यवस्था की गई थी परंतु महाराष्ट्र राज्य की धूलिया जिलों से आए छात्रों को किसी प्रकार की कोई भी सुविधाएं मनपा प्रशासन की तरफ से प्रधान नहीं की गई थी इसका अफसोस जताते हुए एमआईएम ट्रेजर जावेद सिद्दीकी ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा मनपा प्रशासन को 38 लाख रुपए की निधि मनपा प्रशासन की तरफ से पारित की गई थी जिसमें भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए अग्निवीर परीक्षा देने का आयोजन मौलाना अबुल कलाम स्टेडियम मैं आयोजित किया गया था लेकिन छात्रों की सुविधाओं की बात की जाए तो मनपा प्रशासन द्वारा 38 लाख रुपए तो दिए गए मगर छात्रों को सुविधाओं के नाम पर बाबाजी का ठुल्लू दिया गया और पैसों का बंदरबांट कर लिया गया जावेद सिद्दीकी ने बताया अग्निवीर परीक्षा देने के लिए महाराष्ट्र राज्य के धूलिया जिलों से तकरीबन प्रतिदिन पांच से छे हजार छात्र भारतीय सेना में भर्ती होने हेतु आए हैं लेकिन सुविधाएं राई बराबर भी छात्रों को प्रदान नहीं की गई है ना ही पीने की पानी की व्यवस्था की गई है ना ही खाने पीने की व्यवस्था की गई है ना ही शौचालय की और ना रहने की दूरदराज से आए छात्र बारिश के मौसम में सड़कों पर ही सो रहे हैं शौचालय जंगल में जाकर कर रहे हैं और ना नहाने की सुविधाएं दी गई बारिश

आने पर छात्र इधर उधर जाकर रात में सो रहे हैं उन्होंने सवाल उठाया है यह किस तरह की व्यवस्था मनपा प्रशासन की तरफ से छात्रों के लिए की गई है जबकि मनपा प्रशासन द्वारा 38 लाखों रुपए प्रशासन द्वारा छात्रों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिए गए थे लेकिन यह पैसों का मनपा प्रशासन द्वारा बंदरबांट कर लिया गया और किसी प्रकार की कोई भी सुविधाएं छात्रों को नहीं प्रदान की गई है 10 दिनों से चल रहे भारतीय सेना भर्ती अभियान खत्म होने की कगार पर है फिर भी मनपा प्रशासन की तरफ से कोई भी सुविधाएं प्रदान नहीं की जा रही है मनपा प्रशासन से प्राप्त की गई है की 38 लाखों रुपए की निधि पारित करने की जानकारी मनपा प्रशासन के अधिकारियों की तरफ से दी गई है उन्होंने कहा है इन पैसों के बंदरबांट सही तरह से नहीं होने के कारण यह जानकारी मिली है नहीं तो आरटीआई के माध्यम से अगर मैं जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करता तो मुझे जानकारी नहीं दी जाती उन्होंने कहा अग्नि वीर परीक्षा में पारित किए गए निधि 38 लाख के भ्रष्टाचारी की निष्पक्ष जांच की मांग मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा से और राज्य के गवर्नर और नव निर्वाचित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से करता हूं और इस भ्रष्टाचार में जो भी मनपा अधिकारी लिप्त है उन पर कठोर कार्रवाई करने की मांग करता हूं उन्होंने कहा कि इस भ्रष्टाचार के मामले को लेकर बहुत जल्द आंदोलन करूंगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

वसई की इंजीनियरिंग कंपनी में लगी भीषण आग

यह दुर्घटना आज दोपहर ढाई बजे हुई है। विस्फोट की आवाज इतनी भयंकर थी कि यह 1 से 2 किलोमीटर तक सुनाई दी। करीब 4 से 5 किलोमीटर दूर से ही धुएं के बादल दिखाई दे रहे हैं। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम को आग बुझाने में कामयाबी मिली। ठाणे जिले के वसई इलाके के मुंबई अहमदाबाद हाइवे से सटे जूचंद्र में कॉश पावर इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी है। इस कंपनी में 50 मजदूर काम कर रहे थे। इसी दरम्यान दोपहर ढाई बजे के करीब कंपनी के बॉयलर में विस्फोट हुआ। इससे कंपनी में भीषण आग लग गई। 40 सिलेंडर की गाड़ी कंपनी आई थी। सिलेंडर भरते वक्त ही अचानक बॉयलर में विस्फोट हुआ और भीषण आग लग गई। इसके बाद तत्काल वसई-विरार महापालिका के फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची। करीब दो घंटे तक दमकल कर्मियों की आग बुझाने की कोशिशें जारी रहीं। इस आग में 38 मजदूर सुरक्षित रह गए। दुर्भाग्य से12 लोग आग में फंस गए। इनमें से 3 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग जख्मी हो गए। जख्मी लोगों में से 1 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जख्मी लोगों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। दोपहर के वक्त लंच ब्रेक होने की वजह से स्थानीय मजदूर खाना खाने के लिए चले गए थे। इसलिए दुर्घटना के वक्त ये 38 से 40 मजदूर कंपनी में थे ही नहीं। कंपनी में कुल 12 लोग ही मौजूद थे। घायलों में से तीन लोगों को वसई के प्लैटिनम हॉस्पिटल में, चार लोगों को मीरा रोड के ऑरबिट हॉस्पिटल में और दो लोगों को वसई के जूचंद्र एफ एंड बी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वजीफे की राशि को बढ़ाकर अब 50 हजार रुपये कर दिया गया है। कला, विज्ञान, वाणिज्य की पढ़ाई कर रहे कक्षा 12वीं तक के अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को 5,000 रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा राज्य के छह राजस्व संभागों के 56 शहरों में मुसलमानों की सामाजिक, वित्तीय और शैक्षिक स्थिति का आकलन करने के लिए एक विस्तृत अध्ययन शुरू कराने के एक हफ्ते बाद यह बढ़ोतरी की गई।

एनएसए डोभाल के मिलिट्री एडवाइजर बने नए सीडीएस

कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेश तक वो इस पद पर बने रहेंगे। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान अपने लगभग 40 वर्षों से अधिक के करियर में कई कमांड संभाले हैं। उन्हें जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व भारत में आतंकवाद विरोधी अभियानों में भी लंबा अनुभव है। वो एनएसए अजीत डोभाल के मिलिट्री एडवाइजर भी रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) अनिल चौहान वर्ष 2021 तक भारतीय सेना में रहे हैं। सेवा में वो ईस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ रहे हैं। उन्होंने 1 सितंबर 2019 को लेफ्टिनेंट जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के बाद ये पद संभाला था। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल जैसे अवॉर्ड मिल चुके हैं। वो भारतीय सेना के डीजीएमओ भी रह चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान 31 मई 2021 को भारतीय सेना से रिटायर हुए थे। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मामलों में योगदान देना जारी रखा। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान को सेना में उनकी विशिष्ट और शानदार सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से पुरस्कृत किया जा चुका है।वो अंगोला में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में भी काम कर चुके हैं।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मुंबई रेलवे स्टेशन का होगा पुनर्विकास

भारतीय रेलवे की ओर से देशभर के कई स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। ऐसे में अब ये रेलवे स्टेशन किसी मॉल जैसे नजर आएंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मुंबई रेल स्टेशन के पुनर्विकास के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने सुरक्षा, यात्री सुविधा, तकनीक सहित रेलवे के हर आयाम पर ध्यान दिया है। इस दौरान स्टेशन के विकास से नए रोजगार के मौके पैदा होंगे। रोजाना यात्रियों को काफी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा निवेश से जुड़े कारोबार से लोकल अर्थव्यवस्था को भी काफी मजबूती मिलेगी। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने सुरक्षा, यात्री सुविधा, तकनीक सहित रेलवे के हर आयाम पर ध्यान दिया है।

समाज सुधार में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती हैं: मेवाड़ा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के विशाल जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन का उद्घाटन समारोह सैकड़ों शिक्षकों से खचाखच भरे श्री स्वामीनारायण मंदिर सभा भवन में आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति महेंद्र कुमार मेवाड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवारत शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के लिए राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) हमेशा संघर्षशील रहा हैं। राज्य सरकार ने शिक्षकों के लिए कई सकारात्मक घोषणाएं की है अब शिक्षकों की बारी है कि वह राज्य सरकार को पुनः पदस्थापित करने में अपनी भूमिका अदा करें। शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार मुख्य वक्ता एवं संगठन के मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों की न्यायोचित मांगों के लिए राज्य सरकार के समक्ष वेतन विसंगति के प्रकरणों को प्रभावी रूप से रखा है। मुख्यमंत्री द्वारा पुरानी पेंशन स्कीम की घोषणा का सदन में उपस्थित शिक्षकों ने दोनों हाथ उठाकर ध्वनिमत से मुख्यमंत्री का धन्यवाद

प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने बताया कि संगठन शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। शिक्षक भी अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक रहकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने में अपनी भूमिका अदा करें। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद उपसभापति जितेंद्र सिंघी ने शिक्षकों के बीच उपस्थित होकर में गौरान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने संगठन की कार्यशैली पर प्रसन्नता करते हुए बताया कि हमेशा संगठन शिक्षकों की सेवा के प्रति जागरूक रहा हैं। नगर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र एरन ने शिक्षक की महिमा बताते हुए कहा कि शिक्षक सर्वश्रेष्ठ है जो व्यक्ति के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। संगठन के प्रदेश महामंत्री डॉ हनवंत सिंह मेड़तिया ने नई शिक्षा नीति पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि संजय अग्रवाल ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए कहा कि शिक्षकों को सदैव राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मीडिया प्रभारी वर्मा ने बताया कि उद्घाटन समारोह को सभाध्यक्ष भगवत सिंह देवडा, जिलाध्यक्ष देवेश खत्री, जिलामंत्री इनामुल हक कुरैशी, सहायक निदेशक मूलशंकर मेघवाल, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी हनीफ खान, एपीसी कांतिलाल खत्री, दुर्गेश गर्ग, सलाहकार विक्रम सिंह सोलंकी, संरक्षक जसवंत सिंह परमार, प्रदेश महिला मंत्री सविता शर्मा, अधिवेशन संयोजक इन्द्रमल खंडेलवाल ने भी संबोधित किया। मीडिया प्रभारी के अनुसार इस अवसर पर अधिवेशन सह संयोजक रमेश परमार, अधिवेशन सचिव भीखाराम कोली, शिवगंज उपशाखाध्यक्ष छगन भाटी, पिंडवाड़ा उपशाखाध्यक्ष मनोहर सिंह चौहान, आबूरोड उपशाखाध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा, रेवदर उपशाखाध्यक्ष विनोद नैनावत सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

टीम आरोहणम और श्री बाल गोपाल मित्र मंडल 16 अक्टूबर 2022 रविवार को 'सेवा दिवस' मनाएंगे

यह सेवा दिवस हमारे गुरुजी परम पूज्य धर्मभूषण संत श्री राजेंद्रदास बापू (तोरणिया-हरिद्वार) के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा। जयेशभाई सोनी ने कहा कि, बापू नकलंकधाम तोरनिया और हरिद्वार के महंत हैं। वे सौराष्ट्र अंचल की अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष भी हैं। बापू हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए मददगार रहे हैं और अप्रैल महीने में इस आदर्श के साथ वह तोरणिया में 251 सामूहिक लग्न का आयोजन कर रहे हैं। केतनभाई जोबनपुत्रा ने कहा, इस सेवा दिवस पर हम लोगों को शताब्दी अस्पताल के बाहर शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक भोजन परोसेंगे-महिला मंडल भजन का आयोजन किया गया है और शाम 7 से 10 बजे तक देसी गुजराती भजन का भी आयोजन किया गया है। यह पूरा कार्यक्रम पारेख नगर, शताब्दी अस्पताल के सामने कांदिवली पश्चिम में होगा। बापू के प्रिय मुंबई सेवक समाज की ओर से आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

भंडारे में पहुंची सांसद फूलपुर ग्रहण किया प्रसाद

प्रयागराज। मंगलवार को फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल बुआपुर स्थित बहरिया रामेश्वर नाथ धाम मंदिर के भंडारे में फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल शामिल हुई व प्रसाद भी ग्रहण किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि मां दुर्गा में सब्जी आस्था होनी चाहिए माता रानी सबका कल्याण करेंगी इस अवसर पर सांसद ने गांव वालों की समस्या भी सुनी व उसके निस्तारण

के लिए सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, महामंत्री पंकज श्रीवास्तव, रामपाल यादव, राजेश पटेल प्रधान, राम देव, भाजपा नेता व सांसद मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, राम लखन, सुभाष, श्याम बिहारी, कालीचरण, दिनेश कुमार, सूर्य पाल, अनुपम मिश्रा, पिछड़ा मोर्चा जिला मंत्री विजय पटेल, राहुल पटेल आदि मौजूद रहे।

संगम चौक से जंभरून मार्ग को डामरीकरण किया जाए, स्वाभिमानी ने की नगर पालिका से मांग

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। शहर के बस स्थानक के समीप मुख्य चौक संगम चौक स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा से लेकर जांभरून तक के सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। इस सड़क पर 50 से अधिक महत्वपूर्ण निजी क्लीनिक हैं। जहां इस रास्ते से हर वक्त आवा जवी रहती है। इस सड़क से बड़ी संख्या में मरीज गुजरते हैं। इस सड़क पर महिला अस्पताल भी बड़ी संख्या में हैं, इसलिए गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस सड़क से बड़ी संख्या में मरीज गुजरते हैं। इस सड़क पर महिला अस्पताल भी बड़ी संख्या में हैं, इसलिए गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस अतिमहत्वपूर्ण सड़क के क्षतिग्रस्त होने से नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है। साथ ही इस सड़क पर हादसों की संख्या भी बढ़ गई है। लेकिन नगर पालिका प्रशासन नींद से जाग नहीं रहा है। इसलिए संगम चौक से जम्भर तक की सड़क को 15 दिन के भीतर डामरीकृत किया जाए। मांग 'स्वाभिमानी' के शेख रफीक शेख करीम और अमोल मोरे ने एनपी के मुख्यमंत्री गणेश पांडेय से मुलाकात कर निवेदन देकर स्वाभिमानी के शेख रफीक शेख करीम और अमोल मोरे ने चेतावनी दी है कि अगर नगर प्रशासन 15 दिनों के भीतर इस सड़क का काम पूरा नहीं किया तो वे गधे के गले में एक बोर्ड बांधेंगे और नगर निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करेंगे। ऐसी चेतावनी स्वाभिमानी के शेख रफिक शेख करीम व अमोल मोरे ने दिया। इस मौके पर 'स्वाभिमानी' के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जयपुर में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शैक्षिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान जयपुर जिला इकाई का शैक्षिक सम्मेलन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सी स्कीम सरदार पटेल मार्ग जयपुर में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र कुमार शर्मा हंस जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री निर्मल ग्रोवर अध्यक्ष राज्य इकाई ने की। इस अवसर पर राज्य इकाई महासचिव रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने फोरम के द्वारा मांगों के बारे में उपस्थित पुरस्कृत शिक्षकों को बताया कि राज्य सरकार के द्वारा 2011 में मुख्यमंत्री की घोषणा

के अनुसार पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को स्थानांतरण में तीन विकल्पों में किसी एक पर पदस्थापना की जाए। इसी प्रकार शिक्षा विभाग की अकादमिक समितियों में पुरस्कृत शिक्षकों को प्रतिनिधित्व दिया जाए। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय सचिव महेश बाबू शर्मा ने किया। जिला अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने अतिथियों का सम्मान किया एवं जिला महासचिव कैलाश चंद्र कुमावत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर 2022 में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त शिक्षक भवानी सिंह शेखावत एवं विमलेश पारीक को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राज्य इकाई के उपाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, श्यामा कंवर चौहान, कमल किशोर चोटिया, निरंजन साहू सहित 40 पुरस्कृत शिक्षक उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जयपुर के सुनील जैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

सरकारी शिक्षकों के प्रति सरकार पुर्णतः संवेदनशील: डॉ. सुभाष गर्ग

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन आज टेक्नोलॉजी पार्क सेवर में 'शैक्षिक विचार सम्मेलन व सम्मान समारोह' की थीम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज मंत्री डॉ सुभाष गर्ग रहे। जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मीणा ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की गई। दुर्गा शक्ति के तीसरे रूप चंद्रघंटा देवी के मंत्रोच्चारण व शहीद आजम भगत सिंह की 115वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर की कई। मुख्य अतिथि डॉ सुभाष गर्ग ने कहा की सरकार शिक्षकों की हर मांग के प्रति संवेदनशील है जो भी जायज मांगे होंगे उनका जल्द निस्तारण कराया जाएगा इसके प्रति विभिन्न समितियां और कमेटियां काम कर रही हैं जल्द शिक्षा नीति भी शिक्षकों के समक्ष होगी, सरकार की मंशा बच्चे को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दिलाना संभव हो ऐसा प्रयास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा

साहब सिंह वर्मा ने की उन्होंने शिक्षा जगत में हो रहे कार्यों एवं भरतपुर संभाग की प्रगति के बारे में सदन को अवगत कराया। बतौर मुख्य वक्ता डॉ बनय सिंह ने कहा कि शिक्षा और शिक्षक की भूमिका समाज में विशेष है शिक्षा से चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण दोनों होते हैं, शिक्षकों की समाज में महती भूमिका है शिक्षकों को समाज में भाईचारा और मेलजोल बढ़ाते हुए सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने में भी महती भूमिका निभानी होगी, उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का हर एक दिन दुनिया को सीखने सिखाने में निकलता है हम शिक्षक राष्ट्र टवर्क निर्माण में प्रमुख भागीदार हैं। बतौर विशिष्ट अतिथि बोलते हुए प्रमोद तिवारी डाइट प्रिंसिपल ने अपना विचार सदन में रखा उन्होंने कहा कि आज समाज में शिक्षक की और भी ज्यादा भूमिका बढ़ गई है जब सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ उन को जोड़ा गया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दलवीर सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि दिन-प्रतिदिन सरकार आधुनिकरण और डिजिटल इंडिया की तरफ बढ़ रही है इसके लिए शिक्षकों को अपने आप को आधुनिक बनाने के लिए डिजिटल मीडिया से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में बोलते हुए विशिष्ट अतिथि आलोक शर्मा ने कहा यह शिक्षक वह है दीपक है जो स्वयं चल करके समाज को आलोकित करता है इस अवसर एकीकृत भरतपुर के सभाध्यक्ष विशाल चौधरी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर रामलखन खटाना प्रदेश उपाध्यक्ष, तेज सिंह महावर जिला महामंत्री प्राची कुमकुम सिंह महिला शक्ति अध्यक्ष सहदेव सिंह संरक्षक, राजेंद्र भवनपुरा कोषाध्यक्ष, राम चरण मीणा ब्लॉक अध्यक्ष बयाना, देवेंद्र सिंह गुर्जर रूपबास, सोन सिंह महर भुसावर, मोहन लाल पहाड़ी, मनीष मित्तल बैर, नगेंद्र सिंह चौधरी उच्चैन, वेद प्रकाश डीग, राजेंद्र सिंह नदबई, एवं मौसम खान कामां ब्लॉक अध्यक्ष सहित धीरेंद्र सिंह, ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के मलिक भीलवाड़ा, शर्मा दौसा तथा सैन अलवर जिलाध्यक्ष बने

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पत्रकारों के देश के सबसे बड़े संगठन 'अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन' के राजस्थान प्रदेश प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ ने संगठन का विस्तार करते हुए युवा एवं जुझारु पत्रकार अनिल मलिक (भीलवाड़ा ब्यूरो चीफ दैनिक पुलिस पोस्ट) को भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चन्द्र शर्मा (दैनिक भास्कर) को दौसा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं तथा अलवर में नजर 24 तथा मानवाधिकार मीडिया से जुड़े पत्रकार राजेन्द्र कुमार सैन को संगठन का अलवर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं। पत्रकार अनिल मलिक, कैलाश चन्द्र शर्मा तथा राजेन्द्र कुमार सैन की नियुक्ति राजस्थान प्रदेश प्रभारी

भैरु सिंह राठौड़ की अनुशंसा पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत ने की है। नव नियुक्त जिलाध्यक्षों भीलवाड़ा के मलिक, दौसा के शर्मा तथा अलवर के राजेन्द्र कुमार सैन राजस्थान प्रदेश प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ तथा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत का हार्दिक आभार जताया हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत ने नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को संगठन हित में कार्य करने, पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित रहने तथा अपने अपने जिले में जिला कार्यकारिणी का गठन करने के लिए निर्देशित किया है। इस पर सभी नव नियुक्त जिलाध्यक्षों ने संगठन हित में कार्य करने तथा जिला कार्यकारिणी का गठन करने पर सहमति जताई है। नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को कई इष्ट मित्रों व शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाएं दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शिल्पी चौहान को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की जिला सह-संयोजिका नियुक्त किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पिछले सप्ताह श्रीमति शिल्पी चौहान जी के समाज सेवा एवम् बेटियों के उत्थान हेतु निरंतर किए कार्यशीलता से प्रभावित होकर जिला संयोजिका डॉ. पूजा सिंह गंगानिया जी के द्वारा उन्हें जिला सह-संयोजिका के पद पर नियुक्त किया। डॉ. पूजा सिंह गंगानिया जी (जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश) व जिला अध्यक्ष आदरणीय विजय भाटी जी ने आशा

जताई की आदरणीय शिल्पी चौहान जी पूर्ण ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ पद की गरिमा के अनुकूल देश के प्रति समर्पित रहकर मानव कल्याण में अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वाहन करेंगी। काव्य कोर्नर फाउंडेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार शिल्पी चौहान ने जिला संयोजिका का आभार प्रकट करते हुए दुगुनी ऊर्जा से समाज के लिए कार्य करने का प्रण लिया। डॉ पूजा सिंह गंगानिया ने अत्यंत हर्ष और उत्साह से कहा की वे 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' आभियान की समस्त जिला कार्यकरिणी के साथ मिलकर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बेटियों के प्रति इस संकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भगत सिंह के आदर्शों को अपनाना ही महान क्रांतिकारी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी: अतुल पाठक

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। शहीदए आजम भगत सिंह की 115 वी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने किला स्थित भगत सिंह की मूर्ति पर माला अर्पण एवं श्रद्धांजलि देकर याद किया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि आज भगत सिंह की 115 वी जयंती है, आज के दिन सबसे पहले हम देशवासियों को यह समझना चाहिए कि हमें किस तरह से आजादी मिली, क्योंकि केवल 23 साल की उम्र में शहीद ए आजम भगत सिंह भारत मां की आजादी की लड़ाई में सबसे बड़ा इंकलाबी बन गए। भगत सिंह ने किशोरवय में ही देश के लिए अपनी राह चुन ली थी। इसलिए हम सबको भगत सिंह के आदर्शों को अपनाकर आज शहीद-ए-आजम की जयंती पर उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष टीपू भदौरिया एवं अमित जैन ने कहां की भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार से जिस साहस के साथ मुकाबला किया, उसे भुलाया नहीं जा सकता है। क्रांतिकारी भगत सिंह की जिंदगी से हमें कई तरह की प्रेरणा मिलती हैं, भगत सिंह का मानना था कि जिंदगी तो सिर्फ अपने दम पर ही जीती जाती है और ऐसे में यदि हम कुछ करना है तो निष्क्रियता की भावना को बदलना होगा और हमें क्रांतिकारी भावना अपनानी होगी। कार्यक्रम के बाद युवा मोर्चा ने शहीद ए आजम भगत सिंह की याद में एवं हरा-भरा मध्यप्रदेश कार्यक्रम के तहत सर्किट हाउस पर पौधेरोपण किया। इस मौके पर अतुल पाठक ने कहा कि युवा मोर्चा के हरा भरा मध्यप्रदेश कार्यक्रम ने युवाओं में पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति का संचार किया है। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा बाल्मीकि, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष हृदेश पुरोहित एवं वैभव चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष शैलू भदौरिया,मंडल उपाध्यक्ष प्रतीक पांडे, लवकुश परिहार एवं बच्चा सिंह, नगर मंत्री सूरज बरुआ मंडल मंत्री प्रशांत सोनी एवं मनु दीक्षित, सह कोषाध्यक्ष सौरभ पुलक, युवा नेता पुष्पेंद्र भारौली,राहुल जैन, रमन मदरिया, टीनू भारौली एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी अतुल रमेश पाठक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एल/विभाग मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के आदेशों की उड़ाई जा रही हैं खुलेआम धज्जिया?

एलबीएस मार्ग अधिनस्थ मुगल ढाबा के अवैध बांधकाम को तोड़क कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लिया गया है चुम्मा

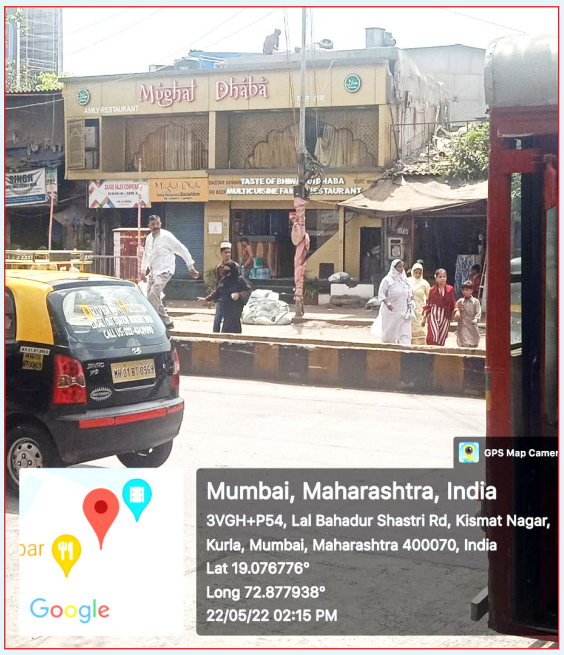

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। एल/विभाग मनपा कुर्ला प्रभाग क्र.166 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत सिटीएस क्र. 413-414 कुर्ला भाग क्र. 1 अंसारी वजन कांटा के समीप एल बी एस मार्ग कुर्ला (प.) 400070 में मालक/विकाशक एजाज द्वारा आर. जी गार्डन आरक्षित भूखंड पर किये गये अवैध बांधकाम का संरक्षणदाता मनपा एल/विभाग का कौन भ्रष्ट अधिकारी है जो मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिदे के आदेशों को हवा में उड़ा रहा है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सुभेदार ने उक्त अवैध बांधकाम की शिकायत दिनांक 26/09/2022 को की थी मनपा एल/विभाग द्वारा चिरीमिरी तोड़क कार्रवाई करके शिकायतकर्ता को गुमराह किया

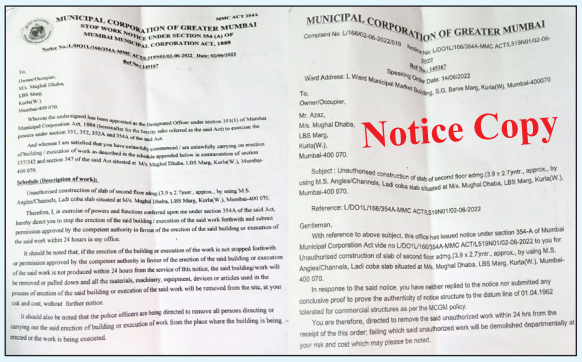
MUNICIPAL CORPORATION OF GREATER MUMBAI
STOP WORK NOTICE UNDER SECTION 354 (A) OF MUMBAI MUNICIPAL CORPORATION ACT, 1888

MUNICIPAL CORPORATION OF GREATER MUMBAI

Notice Copy

गया है, सभी नवनिर्मित अनधिकृत बांधकामो को स्थगन का आदेश सहायक आयुक्त महादेव शिदे द्वारा दिया गया है, किंतु मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिदे के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए एल बी एस मार्ग कुर्ला (प.) मुगल ढाबे का अवैध बांधकाम बड़े पैमाने पर ग्राउंड+1 का अनधिकृत नवनिर्माण किया गया है। बताया जा रहा है कि उक्त अवैध निर्माण को मनपा एल/विभाग इमारत कारखाने के ही किसी भ्रष्ट अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त है। देखना यह होगा कि मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिदें संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारी की जांच कर उसे आदेशों की अवहेलना करने

अमोल अरविंद कोली
सहायक अभियंता
एल/विभाग मनपा

अथवा अवैध निर्माणों को संरक्षण देने के चलते निलंबित करेंगे या फिर संबंधित अधिकारी की पीठ थपथपाते हुए शाबासी देंगे?

कानपुर में अपराधियों को जेल भेजने में सफल इंस्पेक्टर चकेरी एसपी सिंह की कर्तव्यनिष्ठा, कई गिरफ्तार

संदिग्धों पर पैनी के साथ लगातार जारी पुलिस की गश्त

मुंबई हलचल / सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की चकेरी पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है, जिसके तहत अब तक कईयों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। कुल मिलाकर सभी त्योहारों को भी सकुशल संपन्न कराने में सफल चकेरी पुलिस अपराधियों का पीछा भी लगातार कर रही है, क्योंकि आपराधिक गतिविधियों के मामले में चकेरी क्षेत्र भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। यह भी अवगत कराते चलें कि आज कल चकेरी पुलिस की कमान अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित लोकहित में अपनी धुन के पक्के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के स्वाभिमानी स्वभाव

वाले उन तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और कठोर परिश्रमी जुझारू इंस्पेक्टर शैलेंद्र प्रताप सिंह के हाथ में है, जिनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपनी नौकरी के अब तक के जुझारू कार्यकाल में अनेक शातिरों सबक सिखाने में सफल हो चुकी है। जहां तक चकेरी प्रभारी के रूप में कर्मठ इंस्पेक्टर शैलेन्द्र प्रताप सिंह की चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है, उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद जुझारू तेवरों वाले शैलेंद्र सिंह के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले सरल और शालीन स्वभाव के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। शायद यही वजह है कि उनके तीखे तेवर अपराधी अराजक तत्वों में भय का कारण भी बने हुए हैं।

महिला को थपड झड़ने वाले डॉक्टर को बर्खास्त करेः मुस्लिम महासभा

मुंबई हलचल / सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। मुस्लिम महासभा राजसमन्द के आमेट टीम द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान के नाम का ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण को दिया गया जिसमें गत दिनों महात्मा गांधी हॉस्पिटल भीलवाड़ा में बीगोद निवासी मुस्लिम महिला जिसकी बच्ची बीमार होने से हॉस्पिटल के शिशु ईकाई में बच्ची को ईलाज हेतु लेगई वहाँ पर डॉक्टर जगदीश सोलंकी द्वारा महिला को थपड जड़ दिए,ऐसी गिनोनी हरकत डॉ द्वारा की गई है जो मानवता के नाम एक शर्मनाक गिनोनि हरकत है ऐसे पाखंडी डॉक्टर को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर गिरफ्तार करवा कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाने की मांग की गई,इस दौरान मुस्लिम महासभा के जाफर खान फौजदार, ब्लॉक अध्यक्ष ईलाही बख्स कुरेशी, जिला उपाध्यक्ष फारुख पठान, जिलाउपाध्यक्ष तुफैल अहमद उस्ता, जहूर अहमद सोरगर, पार्षद ताहिर अली सोरगर, अशरफ शेख, अमीर मोहम्मद सोरगर, इब्राहिम मंसूरी, हमीद खान पठान, फिरोज शैख, आजाद शाह आदि मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिल्पा शेट्टी के फ्लैट टमी का राज है अंडे से बनी ये डिश, आप भी करें ट्राई

आजकल काम के बढ़ते दबाव और अनियमित खानपान के चलते लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ता ही जा रहा है। कुछ लोग जानकारी के अभाव में तो कुछ पैसों के अभाव में अच्छी डाइट नहीं ले पाते हैं। जिसके चलते पेट से संबंधित रोग और मोटापा जैसी बीमारियां आम हो गई है। खुद की बिगड़े फिगर और मॉडल्स और सेलेब्स के जबदस्त फिगर को देखकर कुछ लोग अंदर ही अंदर जलते रहते हैं। आपको ये बता दें कि सेलेब्स और मॉडल्स मनचाहे फिगर के काफी मेहनत करते हैं। आज हम आपको शिल्पा शेट्टी की फिटनेस का एक ऐसा सीक्रेट बता रहे हैं जिससे आपको जरूर फायदा मिलेगा। पिछले दिनों दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा ने कहा था कि वह अपनी डाइट में अंडे को जरूर शामिल करती हैं। आइए जानते हैं क्या है शिल्पा की वो डिश।

शिल्पा ने एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा था 'मैं अपनी सेहत को लेकर काफी गंभीर रहते हूं। सुबह उठते ही मैं सबसे पहले खाली पेट गुनगुना पानी पीती हूं। उसके बाद योग करती हूं। नाश्ते में मैं अंडा खाना पसंद करती हूं। ये शरीर को प्रोटीन देने के साथ ही एनर्जी भी देता है। अंडे को मैं मल्टीग्रेन ब्रैड के साथ भी खाना पसंद करती हूं और सलाद के साथ भी खाना पसंद करती हूं। छोटे छोटे एवोकेडा के टुकड़ों के साथ उबले अंडे को टुकड़ों में काटकर खाना मेरी फेवरेट डिश है। साथ

ही मैं इस डिश को कहीं न कहीं अपना फिटनेस मंत्र भी मानती हूं।'

अंडे खाने के फायदे

➤अंडे को प्रोटीन, कैल्शियम व ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत माना जाता है। यह सभी पोषक तत्व हमारे शरीर के लिए जरूरी होते हैं। प्रोटीन से हमारी मांसपेशियां मजबूत होती हैं, ओमेगा 3 फैटी एसिड से शरीर में अच्छेश कोलेस्ट्राल यानि एचडीएल का निर्माण होता है इसके अलावा कैल्शियम से दांत व हड्डियां मजबूत होती हैं।

➤अंडे खाने से आपके शरीर को जरूरी अमीनो एसिड मिलता है जिससे शरीर का स्टैमिना बढ़ता है।

➤अंडे में विटामिन 'ए' पाया जाता है जो बालों को मजबूत बनाने के साथ आंखों की रोशनी बढ़ाता है।

➤अंडे में मिलने वाला फोलिक एसिड व विटामिन बी 12 स्तन कैंसर से बचाता है। विटामिन बी 12 दिमागी प्रक्रिया में मदद करता है और स्मरण शक्ति बढ़ाता है।

➤अंडे की जर्दी में विटामिन 'डी' होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

➤गर्भवती महिलाओं को अपने खाने में अंडे को जरूर शामिल करना चाहिए यह भ्रूण के विकसित में मदद करता है।

➤वजन को लेकर सतर्क रहने वाले लोगों को अंडे का सफेद वाला हिस्से खाना चाहिए। इसमें फैट नहीं होता है।

सुबह उठते ही आती हैं लगातार छींके तो क्या करें ?

साइनोसाइटिस की समस्या बढ़ते प्रदूषण और लगातार जुकाम रहने के कारण होती है। हमारी खोपड़ी में अनेक प्रकार के खोकले छेद होते हैं जो ये छेद सांस लेने में मदद करते हैं। जिसे साइनस कहते हैं। जब हम सांस लेते हैं तो इसके साथ धूल-मिट्टी के कण अंदर चले जाते हैं तो यह छेद हवा को साफ करके फेफड़ो तक पहुंचाते हैं। जब यह काम करना बंद कर देते है तो साइनोसाइटिस की समस्या हो जाती है। इस समस्या के होने पर रोगी को सुबह उठते ही छींके आना, जुकाम-खांसी, बदन दर्द, आंखों से आंसू आना, दांतों में दर्द जैसी समस्या होने लगती है। आज हम आपको साइनोसाइटिस होने के कारण और इस से बचने के उपाय बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप इस समस्या से बच सकते हैं।

साइनोसाइटिस होने के कारण

1. टेंशन होने के कारण

अगर आप हर वक्त तनाव में रहते हैं तो आप कई बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं। तनाव के कारण साइनोसाइटिस होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके कारण सिर दर्द भी होने लगता हैं।

2. ज्यादा देर ठंड में रहना

जिन लोगों को ज्यादा देर ठंड में रहना पड़ता है। उन्हें इस बीमारी के चांस बहुत अधिक होते हैं। तेज हवा और ठंडे मौसम में रहने से कफ दोष बिगड़ जाता है और बलगम बनने लगती है।

3. वायु प्रदूषण

बढ़ते प्रदूषण के कारण इस बीमारी का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए ऐसे प्रदूषण में सांस लेने से कीटाणु अंदर चले जाते हैं जो एलर्जी का कारण बनते हैं। जिसके कारण नाक में सूजन हो जाती है और जलन होने लगती है।

साइनोसाइटिस से ऐसे करें बचाव

1. हल्दी और अदरक की चाय

इस समस्या से बचने के लिए हल्दी और अदरक वाली चाय बना कर पीएं। हल्दी में ऐसे औषधीय गुण पाएं जाते है जो जलन को कम करते हैं। जिससे एलर्जी से बचा जा सकता है। अदरक में भी ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो बंद नाक को खोलने में मदद करते हैं। इस चाय को बनाने के लिए एक कप उबलते पानी में एक इंच हल्दी और एक इंच अदरक को पीसकर डालें और इसे धीमी आंच पर ढक्कर 10 मिनट के लिए उबालें। फिर इसे छान कर चाय का सेवन करें।

2. स्टीम लें

म्यूकस की मात्रा ज्यादा होने पर भाप जरूर लें। भाप लेने से म्यूकस पिघलता है और नाक अच्छी तरह से साफ होता है। भाप के लिए एक लीटर पानी को उबाल लें और फिर इसमें थोड़ा-सा कपूर मिलाएं। अब इसकी भाप को 10 से 15 मिनट तक लें। इस प्रक्रिया के आराम आने तक रोजाना करते रहे।

3. अधिक पानी पीएं

इस समस्या से बचने के लिए अधिक मात्रा में पानी पीएं। इससे म्यूकस पतला होता है और नाक में ब्लॉकेज खत्म होती है। जिससे साइनोसाइटिस का खतरा कम होता है।

4. नाक की सफाई रखें

इस बीमारी से बचने के लिए नाक की रोजाना सफाई करें। इसकी सफाई करने के लिए रात को सोने से पहलें या फिर सुबह-सुबह नाक में थोड़ा-थोड़ा पानी डाल कर साफ करें। इसे जोर से मसल कर साफ न करें।

5. वातावरण साफ रखें

इस बीमारी का मुख्य कारण वायु में धूल, मिट्टी के महीन कण, पशुओं के बाल आदि का होना है। अगर आपने ने घर पर पालतू जानवर रखा है तो इन्हें घर से बाहर रखें और इनकी सफाई पर भी विशेष ध्यान दें। घर में एयर प्यूरिफायर लगवाएं, जिससे आपके घर के अंदर वातावरण साफ बना रह सके।

तंबाकू की जिद्दी लत से छुड़वाएं पीछा और पाएं ढेरों फायदे

तंबाकू सेहत के लिए हानिकारक है। इसका सेवन करने वाले लोग धीरे-धीरे मौत के दलदल में धसने लगते हैं। अक्सर युवा पहले इन चीजों का इस्तेमाल शौकिया तौर पर करते हैं हालांकि कुछ लोग गलत संगत, तनाव व अन्य परिस्थितियों से पीछा छुड़वाने के लिए इन मादक चीजों का इस्तेमाल करने लगते हैं जो बाद में बुरी लत बन जाती है। धूम्रपान, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, जर्दा जैसे अनेकों उत्पाद तम्बाकू का ही रूप हैं। इसका सेवन आपको बहुत बीमार कर सकता है, यहां तक की यह जान भी ले सकता है। विश्व स्वास्थय संगठन (WHO) रिपोर्ट के अनुसार, 1 सिगरेट जिंदगी के 11 मिनट और पूरा पैकेट 3 घंटे 40 मिनट छीन लेता है।

तम्बाकू के नुकसान

तंबाकू Nicotiana tabacum नामक पौधे की पत्तियों से तैयार किया जाता है, जिसमें निकोटीन कैमिकल पाया जाता है। निकोटीन में कैंसर उत्पन्न करने वाले तत्व होते हैं। इसके अलावा इसके लगातार सेवन करने से दिल की बीमारियां, पेट का अलसर, हाई ब्लड प्रैशर, एसिडिटी, अनिद्रा जैसी कई बीमारियां भी संभावना भी काफी अधिक बढ़ जाती है। धूम्रपान, गुटखा एवं तम्बाकू खाने से मुंह ,गले, श्वासनली व फेफड़ों का कैंसर होता है।

गुटखा तम्बाकू छोड़ने के उपाय

तंबाकू, सिगरेट, गुटखा हो या अन्य कोई निकोटीन युक्त पदार्थ, बुरी तरह आदी होने पर छोड़ना मुश्किल हो जा सकती है।

1. सबसे मन को पक्का करें कि आप इस गंदी लत को हर हालत में छोड़ना चाहते हैं।

2. एक झटके से इन चीजों को छोड़ने की गलती ना करें क्योंकि यह आपके लिए एकदम करना मुश्किल होगा। सिगरेट, गुटखा हो तंबाकू धीरे-धीरे इनकी मात्रा कम करते जाए। जैसे अगर दिन में 6 सिगरेट लेते हैं तो इसे 3 कर दें फिर धीरे धीरे 2 करें और फिर दिन की एक सिगरेट । इसके बाद 1 दिन का गैप डालें। बस फिर इस गैप को बढ़ाते जाएं।

3. परिवार और दोस्तों की मदद लें। अगर इन चीजों का सेवन करने का मन करें तो किसी से बात करें और अपना ध्यान इस ओर से हटा लें। अगर कोई इन चीजों का सेवन करने के लिए उकसाए या दवाब बनाएं तो खुद को दृढ़ रखें और साफ इंकार करें।

4. तंबाकू छोड़ने का सबसे अच्छा विकल्प है कि आप च्यूइंगम खाएं।

तंबाकू छोड़ने के आयुर्वेदिक तरीके

1. 50 ग्राम सौंफ और अजवाइन लेकर तवे पर भून लें, फिर इसमें थोड़ा सा नींबू का रस और काला नमक डालकर डब्बी में रख लें। जब भी तंबाकू सिगरेट की तलब लगे तो इसे चुटकीभर मुंह में रख लें। इससे आपको एसिडिटी की समस्या भी नहीं होगी।

2. गुनगुने पानी मे नींबू का रस और शहद मिलाकर पीएं। इससे तलब भी कम होगी और नशे के विषाक्त तत्वों भी शरीर से बाहर निकलेंगे।

3. सूखे आंवले के टुकडे, इलायची, सौंफ, हरड के टुकडे पीस कर मुंह में रख लें। तलब कम होगी साथ ही खट्टी डकार, भूख ना लगना, पेट फूलने में आराम मिलता है।

MUMBAI HALCHAL
दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर
मुंबई, गुरुवार, 29 सितंबर, 2022

(बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ-अध्यक्ष)
अजय एल. दुबे जी को

जन्मदिन

की बहुत-बहुत
मुबारकबाद

29 SEP.

HAPPY
Birthday
TO YOU

Dr. Ajay L Dubey

(National President : Beti Bachao
Beti Padhao Charitable Trust)

दिलशाद एस. खान
संपादक - दै. मुंबई हलचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)